Q12. भारत से उदाहरण देते हुए नगरों के कार्यिक वर्गीकरण का वर्णन करें।

→ नगरों का जो वर्गीकरण उनके द्वारा निष्पादित किए जाने वाले कार्यों के आधार पर किया जाता है उसे नगरों का कार्यिक वर्गीकरण कहा जाता है। नगरों द्वारा अनेक कार्य किए जाते हैं, परन्तु नगरों का कार्यिक वर्गीकरण उनके आर्थिक कार्यों के अनुसार श्रेणिबद्ध करने का एक प्रयास है। इस आधार पर नगरों को निम्नलिखित भागों में बाँटा जा सकता है —

(i) INDUSTRIAL CITY :- जिन नगरों में कच्चे पदार्थों से सामान तैयार किए जाते हैं उन्हें औद्योगिक नगर कहा जाता है दूसरे शब्दों में हम कह सकते हैं कि जिन नगरों में उद्योगों की प्रधानता होती है अर्थात अधिकांश जनसंख्या उद्योगों में लगी होती है वे औद्योगिक नगर कहलाते हैं। जैसे - कच्चे लोहे से इस्पात तैयार करना, कपास से वस्त्र बनाना, चूना पत्थर से सिमेन्ट तैयार करना, इत्यादि। भारत में जमशेदपुर, दुर्गापुर, भिलाई, कानपुर, अहमदाबाद आदि सभी ही नगर हैं, इन सभी नगरों का विकास उद्योगों के स्थापना के बाद ही हुआ है तथा आज इनसे देश को भारी औद्योगिक उत्पादन प्राप्त हो रहा है।

Scanned with CamScanner

(ii) COMMERCIAL CITY :- जिन नगरों का मुख्य कार्य किसी क्षेत्र के अतिरिक्त उत्पादन को प्राप्त कर उससे किसी अन्य क्षेत्र की मांग-पूर्ति करना तथा इसके बदले में लाभ प्राप्त करना है उन्हें व्यापारिक नगर कहा जाता है। दूसरे शब्दों में हम कह सकते हैं कि जिस नगर का मुख्य कार्य व्यापार वाणिज्य होता है वह व्यापारिक नगर कहलाता है। ऐसे नगरों का विकास परिवहन के साधनों की सुविधा पर निर्भर करता है। अंतर्राष्ट्रीय सामुद्रिक व्यापारिक मार्गों पर स्थित बन्दरगाह शीघ्र ही व्यापारिक नगरों का रूप ले लेते हैं, जैसे भारत में मुम्बई, कोचीन, कोलकाता, चेन्नई इत्यादि।

इसके अलावे व्यापारिक नगरों का विकास निम्न क्षेत्रों में होता है — (a) स्थानीय आबादी के बीच सड़क व रेल के समीप (b) दो विपरित प्रदेशों के बीच (c) सड़कों व रेलों के मिलन स्थल पर। भारत में कानपुर, इन्दौर, पूणे, बड़ौदरा, भोपाल, लुधियाना आदि इसी तरह के नगर हैं।

(iii) MINING CITIES :- ऐसे नगर जहाँ खनिज पदार्थों के निष्कासन का कार्य सर्वप्रमुख होता है, वे खनन प्रधान नगर कहलाते हैं। ऐसे नगरों का विकास सामान्यतः खनिज क्षेत्रों के निकट ही होता है। इन नगरों का मुख्य कार्य खनिजों का निष्कासन करना ही होता है। भारत में झरिया, बोकारो, कोडरमा, डिगबोई कोलार आदि नगर इसी श्रेणी के हैं।

(iv) ADMINISTRATIVE CITIES :- ऐसे नगर जिनका मुख्य कार्य किसी देश,

Scanned with CamScanner

राज्य अथवा क्षेत्र के प्रशासन का संचालन करना होता है वे प्रशासनिक नगर कहलाते हैं। सिर्फ देशों की राजधानियों ही नहीं वरण राज्यों, जिलों व अन्य प्रशासनिक विभागों के सभी केन्द्र भी इसी श्रेणी के अन्तर्गत आते हैं। भारत में दिल्ली, मुम्बई, लखनऊ, जयपुर आदि इसी तरह के नगर हैं।

(vi) DEFENSIVE CITIES :- जिन नगरों का मुख्य कार्य देश को सुरक्षा प्रदान करना होता है वे सुरक्षात्मक नगर कहलाते हैं। इन नगरों में सैनिकों के बैरक, छावनियों, अभ्यास स्थल, हवाई अड्डे व युद्धपोतों के लिए बन्दरगाह होते हैं। भारत में मोहो, विशाखापटनम, चिल्का, खड़कवासला आदि ऐसे ही नगर हैं।

(vii) RELIGIOUS CITIES :- जिन नगरों का विकास धार्मिक केन्द्रों में या इनके इर्द-गिर्द होता है उन्हें धार्मिक नगर कहा जाता है। ये नगर किसी धार्मिक नेता का निवास स्थान हो सकते हैं (जैसे- रोम), या तीर्थ स्थान (जैसे येरुसलम व मक्का) भी। भारत में हरिद्वार, बद्रीनाथ, तिरुपति, वाराणसी आदि ऐसे ही नगर हैं।

(viii) EDUCATIONAL CITIES :- जिन नगरों का विकास किसी शैक्षणिक केन्द्र के पास हो जाता है उन्हें शैक्षणिक नगर कहा जाता है। कभी-कभी विश्वविद्यालय नगरों से घुले मिले होते हैं किन्तु कैम्पस द्वारा इनकी पृथक स्थिति सदा बनी रहती है। भारत में अलीगढ़, वाराणसी, रुड़की

Scanned with CamScanner

पिलानी आदि नगर ऐसे ही हैं।

(ix) TOURIST CITIES :- जिन नगरों द्वारा लोगों की मनो-रंजन संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति की जाती है उन्हें पर्यटक नगर कहा जाता है। इन नगरों में थियेटर होटल, पार्क, क्लब व खरीदारी की सुविधाएँ बड़ी मात्रा में उपलब्ध रहती हैं। इनका विकास पूर्णतः पर्यटन पर ही टिका होता है। भारत में श्रीनगर, मंसूरी, नैनीताल, ऊटी, कुल्लू, मनाली, माउन्ट आबू आदि ऐसे ही नगर हैं।

(x) RESIDENTIAL CITIES :- इन नगरों का मुख्य कार्य साधारणतः एकत्रित जनसंख्या को आवास सुविधा उपलब्ध कराना होता है। इन नगरों में आवासीय भवनों की अधिकता रहती है। ये नगर उत्तर परिवहन साधनों द्वारा बड़े नगरों से जुड़े रहते हैं, जिससे कि प्रतिदिन आने जाने वाले लोग अपने काम पर पहुँच सकें। भारत में गाजियाबाद, गाजीपुर, गुड़गाँव व दिल्ली के आसपास बसे नगर इसी तरह के हैं।

(xi) TOWNS OF DIVERSIFIED FUNCTION :- इन नगरों के द्वारा कई प्रकार के कार्यों का संपादन किया जाता। जैसे - मुम्बई प्रशासनिक, औद्योगिक व व्यापारिक तीनों प्रकार के नगरों के गुणों से युक्त है। इस वर्ग में सामान्यतः बड़े नगरों को ही शामिल किया जाता है।

Scanned with CamScanner